* **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर के लिए दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प चुनकर लिखिए।** [13]

1. कविता में किस अनुपात की बात की गई है?
   (A) आदमी का धन से (B) आदमी का विराट से (C) आदमी का प्रकृति से (D) आदमी का परिवार से
   उत्तर : (B) आदमी का विराट से
2. आदमी किसमें लीन है?
   (A) ज्ञान में (B) तपस्या में (C) स्वार्थ में (D) भक्ति में
   उत्तर : (C) स्वार्थ में
3. "आदमी का अनुपात" कविता के कवि कौन हैं?
   (A) सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' (B) सुमित्रानंदन पंत
   (C) गिरिजा कुमार माथुर (D) महादेवी वर्मा
   उत्तर : (C) गिरिजा कुमार माथुर
4. "संख्यातीत" का क्या अर्थ है?
   (A) गिनी हुई संख्या (B) बहुत कम संख्या
   (C) जिसकी संख्या न गिनी जा सके (D) एक निश्चित संख्या
   उत्तर : (C) जिसकी संख्या न गिनी जा सके
5. कविता के अनुसार, एक कमरे में मनुष्य क्या रचाता है?
   (A) एक दुनिया (B) दो दुनिया (C) तीन दुनिया (D) कोई दुनिया नहीं
   उत्तर : (B) दो दुनिया
6. कविता के अनुसार ब्रह्मांड में कितनी ही _________ हैं।
   (A) नदियाँ (B) पर्वत (C) सृष्टियाँ (D) जानवर
   उत्तर : (C) सृष्टियाँ
7. कवि ने दीवारें उठाने का संबंध किससे बताया है?
   (A) सुरक्षा से (B) विभाजन से (C) निर्माण से (D) एकता से
   उत्तर : (B) विभाजन से
8. कवि ने मनुष्य के स्वभाव पर क्या किया है?
   (A) प्रशंसा (B) उपदेश (C) व्यंग्य (D) समर्थन
   उत्तर : (C) व्यंग्य
9. नभ गंगा किसकी परिधि है?
   (A) देश की (B) पृथ्वी की (C) ब्रह्मांड की (D) नक्षत्रों की
   उत्तर : (C) ब्रह्मांड की
10. पृथ्वी को कवि ने क्या बताया है?

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE studentbro.in

(A) एक बड़ा ग्रह (B) एक छोटी इकाई (C) एक विशालकाय वस्तु (D) एक अनमोल रत्न

उत्तर : (B) एक छोटी इकाई

11. मनुष्य अपने को किसका स्वामी बताता है?

(A) स्वयं का (B) प्रकृति का (C) दूसरों का (D) ग्रहों का

उत्तर : (C) दूसरों का

12. यह कविता मनुष्य को किस बात का बोध कराती है?

(A) उसकी महानता का (B) उसकी लघुता का (C) उसकी शक्ति का (D) उसके भविष्य का

उत्तर : (B) उसकी लघुता का

13. मनुष्य की किन भावनाओं का उल्लेख कविता में किया गया है?

(A) प्रेम और दया (B) ईर्ष्या और घृणा (C) साहस और बलिदान (D) संतोष और सुख

उत्तर : (B) ईर्ष्या और घृणा

*** रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।** [10]

14. अनगिनत ________ में पृथ्वी एक छोटी।

उत्तर : नक्षत्रों

15. आदमी का मूल्य उसके ________ से आँका जाता है।

उत्तर : कर्म

16. कमरा है ________ में।

उत्तर : घर

17. करोड़ों में एक है ________ ।

उत्तर : पृथ्वी

18. कविता हमें यह शिक्षा देती है कि हमें दूसरों का मूल्य उनके ________ से करना चाहिए।

उत्तर : चरित्र

19. घर है ________ में।

उत्तर : मोहल्ले

20. दो व्यक्ति ________ में।

उत्तर : कमरे

21. मोहल्ला ________ में।

उत्तर : नगर

22. लाखों ________ में अपना एक ब्रह्मांड।

उत्तर : ब्रह्मांडों

23. कविता का संदेश है कि इंसानियत सबसे बड़ी ________ है।

उत्तर : पहचान

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE studentbro.in

* **प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में लिखिए।**

24. 'अनुपात' शब्द का प्रयोग यहाँ किस संदर्भ में किया गया है?

    उत्तर : 'अनुपात' शब्द का प्रयोग मानव के अस्तित्व की ब्रह्मांड की विशालता से तुलना करने के संदर्भ में किया गया है।

25. "आदमी का अनुपात" कविता का मूल विषय क्या है?

    उत्तर : कविता का मूल विषय ब्रह्मांड की विशालता के समक्ष मनुष्य के छोटे और तुच्छ अस्तित्व का बोध कराना है।

26. कविता मनुष्य को किस अहंकार से मुक्त होने का संदेश देती है?

    उत्तर : कविता मनुष्य को अपनी सीमितता और तुच्छता को समझकर अहंकार से मुक्त होने का संदेश देती है।

27. कविता में 'विराट' शब्द किसके लिए प्रयुक्त हुआ है?

    उत्तर : कविता में 'विराट' शब्द अनंत और असीमित ब्रह्मांड के लिए प्रयुक्त हुआ है।

28. कवि ने 'देशों की कौन कहे' कहकर किस बात पर जोर दिया है?

    उत्तर : कवि ने मनुष्य के संकीर्ण और विभाजनकारी स्वभाव की गहराई पर जोर दिया है।

29. कवि ने पृथ्वी को 'छोटी' क्यों कहा है?

    उत्तर : कवि ने पृथ्वी को ब्रह्मांड में उपस्थित असंख्य नक्षत्रों और ब्रह्मांडों की तुलना में छोटी कहा है।

30. कवि ने 'लाखों ब्रह्मांडों' का उल्लेख क्यों किया है?

    उत्तर : कवि ने लाखों ब्रह्मांडों का उल्लेख ब्रह्मांड की असीमितता और हमारे ब्रह्मांड के एक छोटे से हिस्से होने को दर्शाने के लिए किया है।

31. 'नभ गंगा' से कवि का क्या अभिप्राय है?

    उत्तर : 'नभ गंगा' से कवि का अभिप्राय आकाशगंगा से है।

32. ब्रह्मांड में कितनी ही 'भूमियाँ' होने की बात क्यों कही गई है?

    उत्तर : यह ब्रह्मांड में जीवन या रहने योग्य स्थानों की अनगिनत संभावनाओं को दर्शाने के लिए कहा गया है।

33. मनुष्य को अपनी छोटी सी दुनिया में भी क्या रचते हुए बताया गया है?

    उत्तर : मनुष्य को अपनी छोटी सी दुनिया में भी दो अलग-अलग दुनियाएँ (विचारों के विभाजन) रचते हुए बताया गया है।

34. 'शंख सी दीवारें' किसका प्रतीक हैं?

    उत्तर : 'शंख सी दीवारें' मनुष्य द्वारा बनाए गए विभाजन, अलगाव और मानसिक बाधाओं का प्रतीक हैं।

35. क्या कवि मानव की नकारात्मकता को स्वीकार करते हैं या उस पर व्यंग्य करते हैं?

    उत्तर : कवि मानव की नकारात्मकता पर व्यंग्य करते हैं।

36. कवि के अनुसार मनुष्य स्वयं को क्या बताता है?

    उत्तर : कवि के अनुसार मनुष्य स्वयं को दूसरे का स्वामी बताता है।

37. मनुष्य किन नकारात्मक गुणों में डूबा रहता है?

    उत्तर : मनुष्य ईर्ष्या, अहं, स्वार्थ, घृणा और अविश्वास जैसे नकारात्मक गुणों में डूबा रहता है।

* **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।** **[18]**

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE studentbro.in

38. कवि क्यों कहते हैं कि "देशों की कौन कहे/एक कमरे में/दो दुनिया रचाता है?" इस कथन का गहरा अर्थ क्या है?

उत्तर : मनुष्य का विभाजनकारी स्वभाव इतना प्रबल है कि वह बड़े भूभागों के विभाजन की बात तो छोड़िए, अपने निजी और सीमित स्थान में भी वैचारिक या भावनात्मक रूप से अलग-अलग दुनियाएँ बना लेता है, जो उसके संकीर्ण दृष्टिकोण को दर्शाता है।

39. कविता के अनुसार, मनुष्य को अपनी 'लघुता' का बोध होना क्यों आवश्यक है?

उत्तर : मनुष्य को अपनी 'लघुता' का बोध होना इसलिए आवश्यक है ताकि वह अपने अहंकार को त्याग सके और ब्रह्मांड की विशालता को समझ सके। यह उसे विनम्र और यथार्थवादी बनने में मदद करता है।

40. कविता में कवि ने ब्रह्मांड की विशालता को किन उदाहरणों से स्पष्ट किया है?

उत्तर : कवि ने ब्रह्मांड की विशालता को यह कहकर स्पष्ट किया है कि अनगिनत नक्षत्रों में पृथ्वी एक छोटी इकाई है, लाखों ब्रह्मांडों में हमारा ब्रह्मांड एक है और हर ब्रह्मांड में कितनी ही पृथ्वियाँ, भूमियाँ एवं सृष्टियाँ हैं।

41. क्या यह कविता केवल ब्रह्मांड की बात करती है या मानवीय स्वभाव पर भी टिप्पणी करती है? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : यह कविता ब्रह्मांड की विशालता के माध्यम से मानवीय स्वभाव पर गहन टिप्पणी करती है। यह दर्शाती है कि ब्रह्मांड में नगण्य होने के बावजूद मनुष्य ईर्ष्या, स्वार्थ और अहंकार में लिप्त रहता है, जो उसके विरोधाभासी चरित्र को उजागर करता है।

42. कविता की भाषा-शैली पर संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए।

उत्तर : कविता की भाषा सरल, सीधी और प्रभावशाली है। इसमें उपमाओं (जैसे- शंख सी दीवारें) का सुंदर प्रयोग किया गया है। शैली चित्रात्मक है, जो पाठक को ब्रह्मांड की विशालता और मानवीय स्वभाव के विरोधाभास को स्पष्ट रूप से समझने में मदद करती है।

43. कविता में किस प्रकार का संदेश निहित है?

उत्तर : कविता में मानव को उसकी सीमितता और ब्रह्मांड की असीमितता का बोध कराकर विनम्रता, एकता और व्यापक दृष्टिकोण अपनाने का संदेश निहित है, ताकि वह छोटे-छोटे विभाजनों से ऊपर उठ सके।

44. कवि ने 'शंख सी दीवारें' उपमा का प्रयोग क्यों किया है? यह क्या दर्शाती है?

उत्तर : कवि ने 'शंख सी दीवारें' उपमा का प्रयोग उन मजबूत, अभेद्य और असंख्य मानसिक विभाजनों को दर्शाने के लिए किया है जिन्हें मनुष्य अपने अहंकार, स्वार्थ और अविश्वास के कारण खड़ा करता है। यह विभाजनकारी मानसिकता को दर्शाता है।

45. मनुष्य की ईर्ष्या, अहं, स्वार्थ आदि भावनाओं का उसके जीवन पर क्या प्रभाव पड़ता है?

उत्तर : ये भावनाएँ मनुष्य को स्वयं और दूसरों के बीच 'शंख सी दीवारें' खड़ी करने पर मजबूर करती हैं, जिससे वह दूसरों से दूर हो जाता है और विभाजन व संघर्ष को जन्म देता है।

46. कवि ने 'करोड़ों में एक ही' पृथ्वी होने की बात कहकर क्या प्रभाव उत्पन्न किया है?

उत्तर : यह कहकर कवि ने पृथ्वी की विशिष्टता के साथ-साथ उसकी ब्रह्मांडीय पैमाने पर नगण्यता को भी दर्शाया है। यह बताता है कि हमारा ग्रह भी असंख्य खगोलीय पिंडों में से एक है।

*** निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।** **[18]**

47. कवि ने ब्रह्मांड की विशालता का वर्णन करते हुए मानव के अस्तित्व को किस प्रकार गौण सिद्ध किया है? विस्तृत व्याख्या कीजिए।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE studentbro.in

उत्तर : कवि ने ब्रह्मांड की विशालता का वर्णन करते हुए मानव के अस्तित्व को अत्यंत गौण सिद्ध किया है। यह बताते हैं कि पृथ्वी पर कई देश हैं, लेकिन पृथ्वी स्वयं' नभ गंगा की परिधि' में स्थित 'अनगिन नक्षत्रों' में एक 'छोटी' इकाई है। फिर वे कहते हैं कि ब्रह्मांड के अनंत विस्तार और उसमें अनगिनत खगोलीय पिंडों तथा संसारों की संभावना को दर्शाता है। कवि अंत में कहते हैं कि मनुष्य और उसकी पृथ्वी इस विशालता के सामने कितने छोटे और महत्त्वहीन हैं।

48. "इस पर भी आदमी/ईर्ष्या, अहं, स्वार्थ, घृणा, अविश्वास लीन"— इन पंक्तियों के माध्यम से कवि मानवीय स्वभाव के किस पहलू पर प्रहार करते हैं?

उत्तर : इन पंक्तियों के माध्यम से कवि ने पहले ब्रह्मांड की असीमितता और मानव की लघुता का वर्णन किया है। फिर 'इसके बावजूद' मनुष्य के नकारात्मक गुणों में लीन होने पर व्यंग्य करते हैं। कवि दर्शाते हैं कि ब्रह्मांड की विशालता और अपने तुच्छ अस्तित्व के बावजूद मनुष्य ईर्ष्या, अहंकार, स्वार्थ, घृणा और अविश्वास जैसी क्षुद्र भावनाओं में डूबा रहता है। यह मानव की विडंबना है कि वह अपने सीमित दायरे में भी विभाजन और संघर्ष पैदा करता है, बजाय इसके कि वह अपनी लघुता को स्वीकार कर सद्भाव से रहे।

49. "आदमी का अनुपात" कविता के केंद्रीय भाव को विस्तार से समझाइए। कवि इस कविता के माध्यम से क्या संदेश देना चाहते हैं?

उत्तर : "आदमी का अनुपात" कविता का केंद्रीय भाव ब्रह्मांड की असीमित विशालता के समक्ष मनुष्य के नगण्य अस्तित्व को स्थापित करना है। कवि गिरिजा कुमार माथुर इस बात पर जोर देते हैं कि पृथ्वी स्वयं असंख्य नक्षत्रों और ब्रह्मांडों के बीच एक छोटा सा बिंदु मात्र है, फिर भी मनुष्य अपनी सीमित परिधि में ईर्ष्या, अहंकार, स्वार्थ और घृणा जैसी नकारात्मक भावनाओं में लिप्त होकर 'संख्यातीत शंख-सी दीवारें' खड़ी करता है। यह कविता मनुष्य को उसकी तुच्छता का एहसास कराकर उसे विनम्रता की ओर प्रेरित करती है।

50. कविता में मानवीय संबंधों में बढ़ते अविश्वास और विभाजन को कैसे दर्शाया गया है? उदाहरण सहित समझाइए।

उत्तर : कविता में मानवीय संबंधों में बढ़ते अविश्वास और विभाजन को स्पष्ट रूप से दर्शाया गया है। कवि कहता है कि मनुष्य ईर्ष्या, अहं, स्वार्थ, घृणा और अविश्वास जैसी भावनाओं में इतना लीन है कि वह 'संख्यातीत शंख-सी दीवारें' उठाता है। ये दीवारें भौतिक न होकर मानसिक और भावनात्मक विभाजनों का प्रतीक हैं। कवि यह भी कहते हैं कि मनुष्य स्वयं को 'दूजे का स्वामी' बताता है, जिससे वर्चस्व और अधीनता के भाव पैदा होते हैं।

51. कविता में 'अनुपात' शब्द का प्रयोग किस अर्थ में हुआ है? यह शीर्षक कविता के भाव को कैसे व्यक्त करता है?

उत्तर : कविता में 'अनुपात' शब्द का प्रयोग किसी वस्तु या इकाई की दूसरी वस्तु या इकाई के सापेक्ष तुलनात्मक स्थिति या संबंध को दर्शाने के लिए हुआ है। यहाँ यह 'आदमी' (मानव) के अस्तित्व की 'विराट' (असीमित ब्रह्मांड) से तुलना को व्यक्त करता है। शीर्षक " आदमी का अनुपात" पूरी कविता के केन्द्रीय भाव को प्रभावी ढंग से व्यक्त करता है। यह शीर्षक पाठक को तुरंत यह सोचने पर मजबूर करता है कि आखिर किस अनुपात की बात हो रही है।

52. "एक कमरे में/दो दुनिया रचाता है"- इन पंक्तियों का सांकेतिक अर्थ क्या है?

उत्तर : "एक कमरे में दो दुनिया रचाता है"- इन पंक्तियों का सांकेतिक अर्थ यह है कि मनुष्य का विभाजनकारी और स्वार्थी स्वभाव इतना गहरा है कि वह बड़े-बड़े देशों या समाजों की बात तो छोड़िए, अपने अत्यंत सीमित व्यक्तिगत दायरे (जैसे- एक घर या एक परिवार) में भी विचारों, स्वार्थों या अहंकार के कारण मतभेद और अलगाव पैदा कर लेता है। यह पंक्ति आज के संदर्भ में अत्यंत प्रासंगिक है।

*** निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर लिखिए।** **[20]**

अनगिन नक्षत्रों में
पृथ्वी एक छोटी
करोड़ों में एक ही

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE studentbro.in

सबको समेटे है
परिधि नभ गंगा की
लाखों ब्रह्मांडों में
अपना एक ब्रह्मांड

53. पृथ्वी ब्रह्माण्ड के सापेक्ष कैसी है?
(अ) बड़ी (ब) छोटी
(स) विशाल (द) सुंदर

54. ब्रह्मांड में करोड़ों में से एक क्या है?
(अ) तारे (ब) पृथ्वी
(स) चंद्रमा (द) ग्रह

55. किसने सबको समेटे रखा है?
(अ) पृथ्वी ने (ब) सूर्य ने
(स) नभ गंगा ने (द) मनुष्य ने

56. "परिधि नभ गंगा की" पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए।

57. इन पंक्तियों में कवि का मुख्य उद्देश्य क्या है?

उत्तर : 1. (ब) छोटी
2. (ब) पृथ्वी
3. (स) नभ गंगा ने
4. इस पंक्ति का भाव है कि हमारी आकाशगंगा इतनी विशाल है कि उसने अनगिनत तारों, ग्रहों और हमारी पृथ्वी को अपने घेरे (सीमा) में समेटा हुआ है।
5. कवि का मुख्य उद्देश्य मनुष्य को उसकी लघुता का बोध कराना और उसे ब्रह्मांड की विशालता के समक्ष अपने अहंकार को त्यागने का संदेश देना है।

हर ब्रह्मांड में
कितनी ही पृथ्वियाँ
कितनी ही भूमियाँ
कितनी ही सृष्टियाँ
यह है अनुपात
आदमी का विराट से

58. 'सृष्टियाँ' का संबंध किससे है?
(अ) प्राणियों से (ब) वनस्पतियों से
(स) ब्रह्मांडों से (द) आकाश से

59. कवि किसकी तुलना विराट से कर रहे हैं?
(अ) ब्रह्मांड की (ब) प्रकृति की
(स) आदमी की (द) ग्रहों की

60. इन पंक्तियों में किस बात पर जोर दिया गया है?
(अ) मानव की शक्ति पर
(ब) ब्रह्मांड की विशालता पर
(स) पृथ्वी की सुंदरता पर
(द) जीवन के महत्त्व पर

61. "कितनी ही पृथ्वियाँ/कितनी ही भूमियाँ/कितनी ही सृष्टियाँ" कहने से कवि क्या दर्शाना चाहते हैं?

62. इन पंक्तियों में कवि मानव को क्या संदेश देना चाहते हैं?

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE studentbro.in

उत्तर : 1. (स) ब्रह्मांडों से

2. (स) आदमी की

3. (ब) ब्रह्मांड की विशालता पर

4. इन पंक्तियों से कवि ब्रह्मांड की असीमितता और उसमें अनगिनत ग्रहों, भूमियों तथा संसारों के अस्तित्व को दर्शाना चाहते हैं।

5. कवि मानव को यह संदेश देना चाहते हैं कि उसे अपनी लघुता को समझना चाहिए और विराट ब्रह्मांड के सामने अपने अहंकार को त्यागना चाहिए।

इस पर भी आदमी
ईर्ष्या, अहं, स्वार्थ, घृणा, अविश्वास लीन
संख्यातीत शंख-सी दीवारें उठाता है
अपने को दूजे का स्वामी बताता है
देशों की कौन कहे
एक कमरे में
दो दुनिया रचाता है

63. मनुष्य किन नकारात्मक भावनाओं में लीन है?
(अ) प्रेम (ब) ईर्ष्या
(स) शांति (द) सहयोग

64. मनुष्य कैसी दीवारें उठाता है?
(अ) लकड़ी की (ब) काँच की
(स) शंख-सी (द) मिट्टी की

65. इस अंश में कवि किस पर व्यंग्य कर रहे हैं?
(अ) जानवरों पर (ब) मनुष्य की संकीर्णता पर
(स) प्रकृति पर (द) ग्रहों पर

66. "ईर्ष्या, अहं, स्वार्थ, घृणा, अविश्वास लीन" कहने से कवि मनुष्य के किस स्वभाव की ओर इशारा कर रहे हैं?

67. "अपने को दूजे का स्वामी बताता है" से कवि क्या कहना चाहते हैं?

उत्तर : 1. (ब) ईर्ष्या

2. (स) शंख-सी

3. (ब) मनुष्य की संकीर्णता पर

4. कवि मनुष्य के नकारात्मक और संकीर्ण स्वभाव की ओर इशारा कर रहे हैं, जो उसे दूसरों से अलग करता है और आंतरिक रूप से कमज़ोर बनाता है।

5. कवि कहना चाहते हैं कि मनुष्य अहंकारवश स्वयं को दूसरों से श्रेष्ठ और उनका मालिक समझने लगता है, जिससे आपसी संबंध खराब होते हैं।

दो व्यक्ति कमरे में
कमरे से छोटे—
कमरा है घर में
घर है मुहल्ले में
मुहल्ला नगर में
नगर है प्रदेश में
प्रदेश कई देश में
देश कई पृथ्वी पर

Student Bro

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE studentbro.in

68. नगर किसका हिस्सा है?

(अ) देश (ब) मुहल्ले

(स) घर (द) प्रदेश

69. कई देश किस पर हैं?

(अ) नगर (ब) प्रदेश

(स) आकाश (द) पृथ्वी

70. कविता की प्रारंभिक पंक्तियाँ किस विचार की ओर संकेत करती हैं?

(अ) विशालता (ब) शक्ति

(स) लघुता (द) समानता

71. "कमरे से छोटे" कहने का क्या अर्थ है?

72. घर और मुहल्ले का संबंध इन पंक्तियों में कैसे दर्शाया गया है?

उत्तर : 1. (द) प्रदेश

2. (द) पृथ्वी

3. (स) लघुता

4. "कमरे से छोटे" कहने का अर्थ यह है कि व्यक्ति का महत्त्व उतना नहीं है जितना वे स्वयं को मानते हैं।

5. इन पंक्तियों में दर्शाया गया है कि मुहल्ला घरों का एक समूह है।

----- -----

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE studentbro.in